an>

Title: Need to provide special fund for installation of Handpumps in drought affected areas of Bihar.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): सभापति महोदय, पिछले तीन वर्षों से बिहार में लगातार सूखा पड़ रहा है, खासकर दक्षिण बिहार के जिले जैसे जहानाबाद, अरवल, गया, पटना, नालंदा, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, मुंगेर, जमुई, लखीसराय इत्यादि जिलों में पीने के पानी का भयंकर संकट उत्पन्न हो गया है। वहां पीने का पानी नहीं मिल रहा है। चार रोटी के बदले एक रोटी से काम चल सकता है, लेकिन पीने का पानी नहीं मिलेगा, तो समस्या का निदान संभव नहीं है।

महोदय, मैं जानता हूं कि यह जीरो ऑवर है। हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं, क्योंकि यहां सरकार के लोग बैठे हैं, वे इसे संज्ञान में लेंगे या नहीं, लेकिन यह बहुत ज्वलंत मुद्दा है। गांव में पीने का पानी नहीं है, इसलिए लोग जानवरों को कत्लखाने में ले जा रहे हैं। जब लोग वहां चापाकल चलाते हैं, तो एक्सीडेंट हो जाता है क्योंकि भूमि के नीचे पानी नहीं है। वह एयर लेता है, जिसकी वजह से दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। चारों तरफ त्राहिमाम-त्राहिमाम हो रहा है। भूगर्भ में जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहते हैं कि बिहार के जो जिले सूखे से प्रभावित हैं, जहां घनघोर पेयजल संकट है वहां एमपी की अनुशंसा पर कम से कम गांव, टोले में दस-दस चापाकल के लिए स्पेशल फंड दीजिए। ...(व्यवधान) ताकि उससे चापाकल लगे, बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय: धरती में जब पानी ही नहीं है, तो चापाकल में पानी कहां से आयेगा।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री मीना सिंह और भूदेव चौधरी जी इस विषय के साथ अपने को एसोसियेट करते हैं।